12.23 hrs.

(MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*)

In these circumstances, the Government should implement the assurance given recently to the people of Madurai and the tourists of the country that the runway of Madurai Aerodrome would be made fit for the landing of Boeing service. In fact, Madurai aerodrome should be declared as Madurai Airport and all other concomitant service should be provided immediately. The country cannot afford to lose valuable foreign exchange by not providing daily Boeing service to foreign tourists and also by not sending plantation crops like cardamom, etc., by air.

(iv) PROBLEMS FACED BY FARMERS OF NORTH INDIA DUE TO NON-LIFTING OF SUGARCANE BY MILL OWNERS.

श्री दया राम शाक्य (फर्रूखाबाद): उत्तर भारत के चीनी मिल समुचित मात्रा में किसानों का गन्ना नहीं ले रहे हैं, जिससे किसानों का लगभग 1/3 गन्ना या तो खेतों में सूख जावेगा या किसानों को अपना गन्ना जला देना पड़ेगा जिससे कृषकों की अत्याधिक हानि होगी एवं राष्ट्रीय हानि भी होगी। मिलों में किसानों को कई-कई दिन तक अपने वाहनों सहित खड़ा रहना पड़ता है। इन सारी बातों से किसानों में घोर निराशा एवं असंतोष व्याप्त है। सरकार अतिशीघ्र सारे गन्ने को पेरने की व्यवस्था करे।

(v) NEED & IMPOSE BAN ON PRODUCTION AND USE OF KESARI DAL.

श्री बी. डी. सिंह (फूलपुर) : मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र एवं उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद तथा बांदा जिलों के दक्षिणी भाग में एक बड़े क्षेत्रफल में खेसारी दाल की खेती की जाती है। बड़े-बड़े भू स्वामियों के पास उच्चतम सीमा के अतिरिक्त बेनामी पट्टे की काफी भूमि है जिसका अधिकांश क्षेत्रफल खेसारी की खेती में प्रयुक्त होता है, चूंकि इसकी खेती आसान होती है, सिंचाई तथा खाद उर्वरक आदि साधनों की आवश्यकता नहीं होती। इसलिए विशेषकर जहां पर सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं हैं, वहां बड़े-बड़े किसान खेसारी की खेती कर लेते हैं। इसका उपभोग वे किसान स्वयं नहीं करते वरन् कृषि श्रमिकों को उनकी मजदूरी के रूप में खेसारी दाल का भुगतान कर देते हैं। श्रमिकों को नकदी या अन्य जिन्सों में मजदूरी या भुगतान नहीं किया जाता। खेसारी दाल के सेवन से श्रमिक लक्वे की बीमारी के शिकार हो जाते हैं। श्रमिक खेसारी दाल की रोटियां बना कर खाते हैं और वे लगभग सात माह अथवा अधिक समय के पश्चात् लक्वा के शिकार हो जाते हैं। भुक्तभोगियों को प्रारम्भ में तीव्र ज्वर और घुटनों में दर्द होता है और अन्ततोगत्वा उनके पैर पंगु हो जाते हैं।

गांधी शान्ति प्रतिष्ठान ने 1978 में उस क्षेत्र के कृषि श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन के अध्ययन हेतु एक सर्वेक्षण किया था और इन तथ्यों को प्रकाश में लाया था। प्रतिष्ठान ने प्रदेश के श्रम विभाग को भी इन तथ्यों से अवगत कर दिया था। इससे पूर्व भी खेसारी दाल के घातक प्रभाव की जानकारी एक लम्बी अवधि से है, परन्तु इसके निदान का उपाय नहीं किया जा सका। यह विदित हुआ है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 1970 में खेसारी की दाल के विक्रय एवं वितरण पर प्रतिबन्ध लगा दिया था परन्तु भूस्वामियों के प्रभाव के कारण उसका पालन नहीं हो सका। देश के लगभग शत प्रतिशत कृषि श्रमिक कुपोषण के शिकार हैं। इस क्षेत्र के लगभग 78 प्रतिशत गरीब मजदूर इस बीमारी के

भी शिकार हैं जिनमें अधिकांश हरिजन एवं आदिवासी हैं । भूस्वामी दाल की अतिरिक्त मात्रा को व्यापारियों के हाथ बेच देते हैं । व्यापारी खेसारी दाल को बेसन में मिलावट के काम में लाते हैं ।

मैं सरकार से साग्रह अनुरोध करता हूं कि खेसारी दाल की खेती पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगाया जाय । इसके अतिरिक्त उस क्षेत्र में सिंचाई के साधनों का विस्तार किया जाए जिसके वहां खेसारी के स्थान पर अन्य फसलों का उत्पादन किया जा सके किसी भी स्थति में श्रमिकों को उनकी मजदूरी के रूप में खेसारी दाल का भुगतान प्रभावकारी ढंग से रोका जाये । केन्द्रीय सरकार सम्बन्धित प्रान्तीय सरकारों से सम्पर्क करके तत्काल आवश्यक कदम उठाएं ।

(vi) NEED TO SUPPLY ROLE FILMS TO ALL PROFESSIONAL PHOTOGRAPHERS AT DEALERS PRICE.

SHRI AJIT KUMAR SAHA (Vishnupur) : Sir, innumberable professional photographers who live on photography are totally neglected by the Government. Their grievances are unheard by the Government, particularly when the Government is controlling the imprort of films. While Hindustan Photo Films has to prepare itself for catering to the needs of growing demands in future, why should it be allowed to adopt such a policy that discriminates against the lakhs of professional photographers ? HPF is supplying roll films to professional photographers at dealers rate through Associations affiliated to the All India Federation of Photographic Trade Association only. But what is the total number of members of these Associations ? It is around 15,000 including dealers and professional photographers. Therefore, these professional photographers are getting supply of a quota per month of HPF films at dealers price. But what about the lakhs of other professional photographers who are to procure their films requirements from the open market at much higher price than that of dealers ? It must be kept in view that these unfortunate professional photographers are the ultimate consumers and whatever is produced and imported by HPF, that should be for the consumers and not for dealers.

Therefore, I urge upon the Government that all professional photographers be supplied 40 rolls of 120 size films per month at dealers price for their consumption as supplied to the professionals of 6 zonal Associations; all Associations of professional photographers be recognised by the HPF on minimum conditions to be agreed upon between the HPF and the Associations ; a permanent negotiating machinery be set up in different zones to hear and redress the grievances of professionals through their Association by the HPF ; administration be geared up to make direct supply to professionals at dealers price for their consumption and until their consumption and until then the professionals may be linked with dealers of their choice to get their quota for 40 rolls of 120 size films per month at dealers price.

(vii) NEED FOR STEPS TO TRACE THE TOURIST PARTY FROM TAMIL NADU REPORTD MISSING IN NEPAL,

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : गत रविवार को समाचार-पत्रों में एक बड़ा सनसनीखेज समाचार प्रकाशित हुआ है कि तमिलनाडु के दो सौ पर्यटकों का एक पूरा दल जो नैपाल में पशुपतिनाथ के दर्शन करने के लिए जा रहा था लापता हो गया है और इस दल को लापता हुए अब लगभग तीन सप्ताह का समय बीत चुका है । बताया जाता है कि यह दल काठमंडू और रक्सौल के बीच कहीं लापता हुआ है । यह भी पता